स्वस्थ्य रहने को स्वच्छ पानी का करें इस्तेमाल

कुटुंबा में पानी की जांच करते अधिकारी. फोटो : प्रभात खबर

कुटुंबा (औरंगाबाद) ■ राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल व जिला जल एवं स्वच्छता समिति द्वारा प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को एक शिविर आयोजित किया गया. इसका उद्घाटन सीओ ओमप्रकाश गुप्ता एवं पीएचइडी को-ऑडिनेटर अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से किया. सीओ ने कहा कि कहा कि जल ही जीवन है. व्यक्ति को चाहिए कि अपने जीवन स्वस्थ एवं सुरक्षित रखने के लिए स्वच्छ जल का उपयोग करें. प्रदूषित जल से विभिन्न तरह की खतरनाक बीमारियां फैलती है. अरुण कुमार ने बताया कि पेयजल में क्लोराइड की मात्रा बढ़ने से अपंगता ,अरसायनिक की मात्रा बढ़ने से शरीर में चकता जैसा धब्बा, नाइट्रेट की मात्रा बढ़ने-से बच्चों का शरीर का रंग नीला हो जाता है. इससे कई प्रकार की बीमारियां फैलती है. इन्होंने सभी लोगों को कुएं और चापाकलों की पानी की जांच कराने की बात कही. उन्होंने कहा कि बोतल में एक लीटर पानी भर कर शिविर में पहुंचाना है उस जल को जांच कर एक सप्ताह में रिपोर्ट दे दिया जायेगा. विदित हो कि समिति ने लगातार पांच दिन तक आयोजित शिविर में पेयजल जांच कराने की बात कही है. इस अवसर पर ट्रेनर आलोक कुमार, सुजीत कुमार, पिंटू शर्मा आदि थे.

03 हिन्दुस्तान
पटना • बुधवार • 05 जून 2013

37° अधिकतम | 28° न्यूनतम | सूर्योदयः 04.59 सूर्यास्तः 18:37

निर्मल भारत अभियान के तहत जिले की 24 पंचायतों को निर्मल ग्राम पंचायत के रूप में किया जाएगा विकसित

सभी घरों व आंगनबाड़ी केन्द्रों में बनेंगे शौचालय

औरंगाबाद | एक संवाददाता

जिले की 24 पंचायतों को निर्मल ग्राम पंचायत के रूप में विकसित किया जाएगा और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि इनके सभी घरों में शौचालय सुविधा उपलब्ध हो। इसके अतिरिक्त जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह जानकारी जिला जल एवं स्वच्छता समिति के द्वारा निर्मल भारत अभियान के तहत शौचालय निर्माण एवं इसकी उपयोगिता पर आयोजित एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में दिया गया।

इस कार्यशाला का उद्घाटन डीएम अभय कुमार सिंह ने किया। मंगलवार को समुदाय द्वारा स्वयं शौचालय निर्माण एवं इसके उपयोग हेतु समुदाय संचालित संपूर्ण स्वच्छता से संबंधित जिलास्तरीय इस एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला में सभी बीडीओ, तकनीकी सहायक, सीडीपीओ एवं मुखिया को इस

जिला जल व स्वच्छता समिति की कार्यशाला में शामिल डीएम व अन्य अधिकारी और प्रशिक्षण लेते अधिकारी (दाएं)।

योजना की जानकारी दी गई। कार्यशाला में उपस्थित अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि निर्मल भारत अभियान के तहत महादलित परिवारों को ऑफ द पिट मॉडल के शौचालय निर्माण के लिए 55 सौ रुपए दिए जाते हैं जिसमें सरकार द्वारा कुल 46 सौ रुपए तथा बाकी के नौ सौ रुपए बिहार महादलित विकास मिशन के द्वारा वहन किया जाता है। इसी तरह गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों के लिए ऑफ द पिट शौचालय के निर्माण की लागत भी 55 सौ रुपए है। गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों को केन्द्र द्वारा 33 सौ रुपए तथा राज्य सरकार द्वारा 14 सौ रुपए की सहायता दी जाती है। शेष बचे मात्र नौ सौ रुपए ही निर्माण कराने वाले परिवारों को वहन करना पड़ता है।

इस मौके पर डीएम ने कहा कि 24 पंचायतों को निर्मल पंचायत बनाए जाने की योजना है। इस योजना की जो उद्देश्य है वह अवश्य पूरा होगा। गंदगी के कारण कुछ ऐसी बीमारिया हैं जो अचानक फैल जाती हैं। इसका मुख्य कारण है रहन-सहन एवं खान-पान का स्वच्छ न होना। यदि गरीबी रेखा से नीचे के लोग अपनी रहन-सहन और खान-पान पर ध्यान दें तो वे कई बीमारियों से काफी हद तक बच सकते हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति शौचालय का लाभ ले सकता है बस इसके लिए एक आवेदन देने की जरूरत है और उन्हें इस शौचालय निर्माण के लिए राशि का आवंटन कर दिया जाएगा। उन्होंने सभी सीडीपीओ को यह निर्देश भी दिया कि 13वीं वित आयोग की राशि का उपयोग सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में शौचालय बनाने में करें। वे पहले सर्वे करें और फिर जहां आवश्कता हो वहां शौचालय का निर्माण कराएं।

खुले में शौच से होने वाली बीमारियां

कार्यशाला में अधिकारियों ने बताया कि खुले में किया गया शौच जलस्तर में जा कर मिल जाता है और जल को दूषित कर देता है। इसके फलस्वरूप कई तरह की घातक एवं जानलेवा बीमारियां जन्म लेती है। यदि खुले में शौच से बचा जाए तो कई तरह की साधारण व जानलेवा बीमारियों से बचा जा सकता है। उन्होंने बताया कि खुले में शौच करने से पेचिस, हैजा, कॉलरा, हेपेटाइटिस ए एवं ई, एस्थेरिका, कोली, रिंगवर्म आदि खतरनाक बीमारियां जन्म लेती हैं। इस अवसर पर डीडीसी मो. हसीमुद्दीन, डीपीआरओ बी.के. शुक्ला, डीएओ शिलाजीत सिंह, वरीय उपसमाहर्ता विजयंत, पीएचईडी के रामचंद प्रसाद सहित कई पदाधिकारी एवं अधिकारी उपस्थित थे।

स्वयं शौचालय निर्माण व उपयोग पर हुई कार्यशाला

छोटी आदत दूर रखेगी बीमारी

डीएम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया | **बीमारियों के फैलने का कारण गंदगी** | **लोगों को होना होगा जागरूक**

कार्यशाला का उद्घाटन करते जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह. साथ हैं डीडीसी मो हसीमुद्दीन. फोटो : प्रभात खबर

प्रतिनिधि ■ औरंगाबाद (नगर)

नगर भवन में मंगलवार को निर्मल भारत अभियान समुदाय के सौजन्य से पीएचइडी द्वारा 'स्वयं शौचालय निर्माण व इसके उपयोग' पर एक कार्यशाला आयोजित किया गया. कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त मो हसीमुद्दीन, जिला कृषि पदाधिकारी शिलाजीत सिंह, वरीय उप समाहर्ता विजयंत, पीएचइडी के कार्यपालक पदाधिकारी रामचंद्र प्रसाद, डीपीआरओ वीरेंद्र कुमार शुक्ल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यशाला में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि एक छोटी सी आदत बीमारी को हमेशा के लिए दूर कर सकती है.

यह आदत है खाना खाने से पहले व शौच के बाद साबुन से हाथ को अच्छी तरह से धोना.

बीमारी से बढ़ रही गरीबी

आज जो भी बीमारी फैल रही है उसका मुख्य कारण गंदगी है. बीमारी के कारण ही लोग प्रतिदिन गरीब होते जा रहे हैं. रख-रखाव व खान-पान की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण कई प्रकार की बीमारी तेजी से हो रही है. इन बीमारियों का कारण कारण है खुले में शौच करना ही है. इससे मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक होना होगा. इसी उद्देश्य से निर्मल भारत अभियान के तहत शौचालय बनाने का निर्णय लिया गया है. निर्मल भारत का जो सपना है उसे हम सभी लोग मिल कर सकार करें. इसके लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है.

24 पंचायत निर्मल

पहले एनजीओ के माध्यम से एपीएल बीपीएल परिवारों के घरों में शौचालय बनाये जाते थे, लेकिन अब इस नियम को हटा दिया गया है. कोई भी व्यक्ति शौचालय बना कर विभाग के पास आवेदन दे सकता है, जिसे प्रोत्साहन के रूप में राशि विभाग द्वारा दी जायेगी. डीडीसी ने कहा कि जिले के 24 पंचायत को निर्मल ग्राम पंचायत के रूप में चयनित किया गया है, जहां अभियान चला कर प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण कराया ,जायेगा. इस मौके पर शशि कर्ण अकेला, नर्मता कुमारी, शशि भूषण पांडेय, मो नौशाद, प्रदीप कुमार, सैयद अंसारी, मुकेश कुमार उपाध्याय प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यशाला में सीडीपीओ, बीडीओ, मुखिया व तकनीकी सहायक को प्रशिक्षण दिया गया. कार्यक्रम का संचालन शिक्षक इ निरंजय कुमार ने किया.

गलत आंकड़े पर जतायी नाराजगी

- पीएचइडी के पदाधिकारियों को सुधार करने का दिया निर्देश
- कार्यशाला में 1834 आंगनबाड़ी केंद्रों की जगह सिर्फ 463 की ही दी गयी जानकारी

औरंगाबाद (नगर) ■ जिस विभाग के ऊपर शौचालय बनाने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है, और उसी के पास सही आंकड़ा नहीं हो तो आप सोच सकते है कि शौचालय का निर्माण कैसे कराया जायेगा और निर्मल भारत की सपना कैसे सकार होगी. जी! हां पीएचइडी विभाग के पास जो आंकड़ा है, वह गलत है. यह कोई आम आदमी का कहना नहीं है बल्कि जिलाधिकारी का है. मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में जब पीएचइडी विभाग द्वारा आंकड़ा प्रस्तुत किया गया तो, डीएम ने आंकड़ा पर नाराजगी जतायी और सुधार करने का दिशा निर्देश पदाधिकारी को दिया. पीएचइडी विभाग के पदाधिकारी द्वारा आंकड़ा प्रस्तुत किया गया कि जिले में 123115 बीपीएल परिवार है, इनमें 51735 लोगों के यहां शौचालय बनाया गया है. एपीएल परिवार की संख्या 90829 है. इनमें 15371 लोगों को शौचालय दिया गया है. जिले में 3060 विद्यालय है इनमें 2164 में शौचालय बनाये गये है. आंगनबाड़ी केंद्र 463 है इनमें 228 में शौचालय बना लिये जाने का आंकड़ा प्रस्तुत किया गया. इस पर डीएम ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिले में 1834 आंगनबाड़ी केंद्र है. जो आंकड़ा विभाग के पास उपलब्ध है वह गलत है. डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि आप विभाग से आंकड़ा प्राप्त कर ले. ताकि शौचालय बनाने में परेशानी न हो सके.

अभाव

हिन्दुस्तान - 20.8.13

पेयजल और शौचालय का होगा सर्वे

अम्बा | संवाद सूत्र

जिला जल एवं स्वच्छता समिति के तत्वावधान में सांख्यिकी स्वयंसेवकों को प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण शिविर बीआरसी अम्बा में आयोजित हुआ। पीएचईडी के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सह प्रशिक्षक अरूण कुमार ने स्वयंसेवकों को बताया कि उन्हें गांवों में पेयजल और शौचालय की स्थिति का सर्वे करना है। इसके लिए उन्हें विभाग से उपलब्ध कराया गया फार्मेट उन्हें दिया गया है।

यह सर्वे कार्य 31 अगस्त तक पूरा करना है। इसके लिए स्वयंसेवकों को पारिश्रमिक दिया जाएगा।

इस सर्वे कार्य के तहत स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा प्रत्येक परिवार का सर्वे करना है। उन्होंने स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा कि इस बेसलाईन सर्वे की रिपोर्ट के आधार पर ही सरकार स्वच्छता की प्लानिंग तय करती है। सर्वे का काम ईमानदारी के साथ करने की सलाह उन्होंने दी। इस काम के लिए प्रत्येक पंचायत में 3-4 स्वयंसेवकों को लगाया जाना है। कार्यक्रम में महिला प्रसार पदाधिकारी इंदु शर्मा, अर्जुन सिंह, विनय यादव, अरविंद पासवान, जमादार सिंह आदि थे। स्वयंसेवकों ने इस सर्वे काम के लिए बहुत ही कम पारिश्रमिक तय होने की बात कही। समन्वयक ने कहा कि उनकी बातों को वे जिलास्तरीय बैठक में रखेंगे।

अम्बा के बीआरसी में सोमवार को सांख्यिकी स्वयंसेवकों के प्रशिक्षण में शामिल लोग।

प्रशिक्षण

- अम्बा के बीआरसी सांख्यिकी स्वयंसेवकों को दी गयी ट्रेनिंग
- 31 तक पूरा करना है सर्वे का काम, पारिश्रमिक दिया जायेगा

पेयजल गुणवत्ता निगरानी व अनुश्रवण कार्यक्रम के तहत पांच दिवसीय शिविर लगा

अधिक फ्लोराइड कर देगा अपंग

अम्बा | संवाद सूत्र

पीने के पानी में यदि फ्लोराइड की मात्रा अधिक होती है तो इससे अपंगता बढ़ती है। जिले में अपंगों की संख्या अधिक होने का यह एक प्रमुख कारण है। इसी तरह यदि पानी में आर्सेनिक की मात्रा अधिक हो जोती है तो शरीर में चकता (दाग) निकल आता है।

पानी में यदि नाइट्रेट की मात्रा अधिक हो तो उसके सेवन से बच्चे का शरीर नीला हो जाता है। ये बातें राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल गुणवत्ता निगरानी एवं अनुश्रवण कार्यक्रम के तहत प्रखंड परिसर में आयोजित पांच दिवसीय पानी जांच शिविर के उद्घाटन के मौके पर पीएचईडी के समन्वयक अरूण कुमार ने कही। कार्यक्रम का उद्घाटन सीओ ओमप्रकाश गुप्ता ने किया।

उन्होंने बताया कि इस पांच दिवसीय में ग्रामीण अपने घरों से एक लीटर पानी लाएंगे और वहां उसकी जांच की जाएगी। जांच रिपोर्ट एक सप्ताह में दी जाएगी। जांच के आधार पर पानी में किसी रसायन की मात्रा कम या अधिक पाए जाने पर उसे पीने लायक बनाने के लिए आवश्यक दवा भी दी जाएगी। ट्रेनर आलोक कुमार ने कहा कि आम लोग पानी को शुद्ध समझकर उसका सेवन करते हैं पर इसमें कई ऐसे रसायन होते हैं जिसका शरीर पर बुरा प्रभाव पड़ता है और इससे कई तरह की बीमारियां जन्म लेती हैं। इसकी जानकारी लोगों को हो और वे इसके कुप्रभावों से बच सकें इसी उद्देश्य से यह जागृति अभियान चलाया गया है। यह शिविर लगातार 15 जून तक चलेगा। लोगों को इसका लाभ उठाना चाहिए। कार्यक्रम में सुजीत कुमार, पिंटू शर्मा आदि थे। यहां ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी रखीं।

पानी को स्वच्छ बनाने की कवायद

लोगों में बढ़ेगी जागरूकता

ऐसे कार्यक्रमों से लोगों की जागरूकता बढ़ती है। ये बातें सीओ ओमप्रकाश गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि यह एक सूक्ष्म विषय है जिस ओर लोगों का ध्यान सहज नहीं जाता। लोग पानी पीते रहते हैं और बीमारी के शिकार हो जाते हैं। इसका उन्हें पता भी नहीं चलता कि बीमारी उन्हें कैसे हुई। यदि लोग इस तरह के आयोजनों में रूचि लें और पानी की जांच करा लें तो वे कई बीमारियों से बच सकते हैं।

अम्बा में आयोजित शिविर में भाग लेते अधिकारी व अन्य

होगा फायदा

- ग्रामीण इलाकों में पानी की जांच से पूरी तरह अनभिज्ञ थे लोग
- अकारण ही बीमारियों की चपेट में आ जाते थे लोग जांच शुरू
- प्रखंड में पांच दिवसीय शिविर का लाभ लेने की हुई अपील
- पानी में पाए जाने वाले तत्वों की अधिकता के आधार पर होगा कार्य

■ स्वयं शौचालय निर्माण व उपयोग पर हुई कार्यशाला

छोटी आदत दूर रखेगी बीमारी

डीएम ने कार्यशाला का उद्घाटन किया | बीमारियों के फैलने का कारण गंदगी | लोगों को होना होगा जागरूक

कार्यशाला का उद्घाटन करते जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह. साथ हैं डीडीसी मो हसीमुद्दीन. फोटो : प्रभात खबर

प्रतिनिधि ■ औरंगाबाद (नगर)

नगर भवन में मंगलवार को निर्मल भारत अभियान समुदाय के सौजन्य से पीएचइडी द्वारा 'स्वयं शौचालय निर्माण व इसके उपयोग' पर एक कार्यशाला आयोजित किया गया. कार्यशाला का उद्घाटन जिलाधिकारी अभय कुमार सिंह, उप विकास आयुक्त मो हसीमुद्दीन, जिला कृषि पदाधिकारी शिलाजीत सिंह, वरीय उप समाहर्ता विजयंत, पीएचइडी के कार्यपालक पदाधिकारी रामचंद्र प्रसाद, डीपीआरओ वीरेंद्र कुमार शुक्ल ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. कार्यशाला में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डीएम ने कहा कि एक छोटी सी आदत बीमारी को हमेशा के लिए दूर कर सकती है.

यह आदत है खाना खाने से पहले व शौच के बाद साबुन से हाथ को अच्छी तरह से धोना.

बीमारी से बढ़ रही गरीबी

आज जो भी बीमारी फैल रही है उसका मुख्य कारण गंदगी है. बीमारी के कारण ही लोग प्रतिदिन गरीब होते जा रहे हैं. रख-रखाव व खान-पान की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण कई प्रकार की बीमारी तेजी से हो रही है. इन बीमारियों का कारण कारण है खुले में शौच करना ही है. इससे मुक्ति के लिए लोगों को जागरूक होना होगा. इसी उद्देश्य से निर्मल भारत अभियान के तहत शौचालय बनाने का निर्णय लिया गया है. निर्मल भारत का जो सपना है उसे हम सभी लोग मिल कर सकार करें. इसके लिए लोगों को जागरूक करने की जरूरत है.

24 पंचायत निर्मल

पहले एनजीओ के माध्यम से एपीएल बीपीएल परिवारों के घरों में शौचालय बनाये जाते थे, लेकिन अब इस नियम को हटा दिया गया है. कोई भी व्यक्ति शौचालय बना कर विभाग के पास आवेदन दे सकता हैं, जिसे प्रोत्साहन के रूप में राशि विभाग द्वारा दी जायेगी. डीडीसी ने कहा कि जिले के 24 पंचायत को निर्मल ग्राम पंचायत के रूप में चयनित किया गया है, जहां अभियान चला कर प्रत्येक घर में शौचालय का निर्माण कराया जायेगा. इस मौके पर शशि कर्ण अकेला, नर्मता कुमारी, शशि भूषण पांडेय, मो नौशाद, प्रदीप कुमार, सैयद अंसारी, मुकेश कुमार उपाध्याय प्रमुख रूप से उपस्थित थे. कार्यशाला में सीडीपीओ, बीडीओ, मुखिया व तकनीकी सहायक को प्रशिक्षण दिया गया. कार्यक्रम का संचालन शिक्षक डॉ निरंजय कुमार ने किया.

गलत आंकड़े पर जतायी नाराजगी

- पीएचइडी के पदाधिकारियों को सुधार करने का दिया निर्देश
- कार्यशाला में 1834 आंगनबाड़ी केंद्रों की जगह सिर्फ 463 की ही दी गयी जानकारी

औरंगाबाद (नगर) ■ जिस विभाग के ऊपर शौचालय बनाने की जिम्मेवारी सौंपी गयी है, और उसी के पास सही आंकड़ा नहीं हो तो आप सोच सकते है कि शौचालय का निर्माण कैसे कराया जायेगा और निर्मल भारत की सपना कैसे सकार होगी. जी! हां पीएचइडी विभाग के पास जो आंकड़ा है, वह गलत है. यह कोई आम आदमी का कहना नहीं है बल्कि जिलाधिकारी का है. मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में जब पीएचइडी विभाग द्वारा आंकड़ा प्रस्तुत किया गया तो, डीएम ने आंकड़ा पर नाराजगी जतायी और सुधार करने का दिशा निर्देश पदाधिकारी को दिया. पीएचइडी विभाग के पदाधिकारी द्वारा आंकड़ा प्रस्तुत किया गया कि जिले में 123115 बीपीएल परिवार हैं. इनमें 51735 लोगों के यहां शौचालय बनाया गया है. एपीएल परिवार की संख्या 90829 है. इनमें 15371 लोगों को शौचालय दिया गया है. जिले में 3060 विद्यालय है इनमें 2164 में शौचालय बनाये गये है. आंगनबाड़ी केंद्र 463 है इनमें 228 में शौचालय बना लिये जाने का आंकड़ा प्रस्तुत किया गया. इस पर डीएम ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि जिले में 1834 आंगनबाड़ी केंद्र है. जो आंकड़ा विभाग के पास उपलब्ध है वह गलत है. डीएम ने यह भी निर्देश दिया कि आप विभाग से आंकड़ा प्राप्त कर ले. ताकि शौचालय बनाने में परेशानी न हो सके.

र्म परिवर्तन कराने की चेष्टा !

GITAM